फार्मासिस्ट आयुर्वेद का सिलेबस

खण्ड – 'अ'

1. अष्टांग आयुर्वेद का संक्षिप्त परिचय, आयुर्वेद की परिभाषा एवं उद्देश्य तथा आयु की परिभाषा एवं लक्षण।
2. आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांत – पंचमहाभूत, त्रिदोष, सप्तधातुएँ, उपधातु, मल, त्रिगुण, त्रयउपस्तंभ, षडपदार्थ, मन, आत्मा, इंद्रियाँ।
3. स्वस्थ का लक्षण, परिभाषा, दिनचर्या, रात्रि चर्या, ऋतुचर्या, धारणीय–अधारणीय वेग।
4. आहार, परिभाषा, संतुलित आहार, पथ्यापथ्य।
5. रस द्रव्यों का सामान्य परिचय, औषध निर्माण में सहायक यंत्र उपकरणों की जानकारी।
6. विभिन्न औषधियों के निर्माण प्रक्रिया एवं संरक्षण का ज्ञान, औषधियों का मान–प्रमाण, विभिन्न कल्पनाओं का ज्ञान–स्वरस, कल्क, क्वाथ, हिम, फाण्ट आदि।
7. पेया, विलेपी, अकृतयूष, कृतयूष, मॉसरस, कृशरा आदि का निर्माण।
8. द्रव्य परिभाषा, रस, गुण, वीर्य, विपाक, प्रभाव कर्म का सामान्य परिचय।
9. जांगम एवं स्थावर विष के प्रकार, घातक मात्रा, मारक काल, लक्षण प्रतिरोधात्मक उपाय।
10. निम्न औषधियों का परिचयात्मक ज्ञान – त्रिफला, सोंठ, काली मिर्च, पीपल, चव्य, चित्रक, इलायची, दालचीनी, तेजपत्र, नागकेसर, बेलगिरी, कंटकारी, गोक्षुर, अजवायन, अतीस, मदनफल, वच, रास्ना, भिलावा, भांग, नागरमोथा, लौंग, जायफल, कुचला, वत्सनाभ, सर्पगंधा, शतावरी, घृतकुमारी, पुनर्नवा, भृंगराज, मुलेठी, ब्राम्ही, शंखपुष्पी, कुटकी, अमलतास, त्रिवृत्त, जयपाल एवं मिश्रक वर्गीकरण।

फार्मासिस्ट आयुर्वेद का सिलेबस

खण्ड – 'ब'

1. निदान पत्रक, रोग एवं रोगी परीक्षण, क्रियाकाल, चिकित्सा चतुष्पाद, अरिष्ट एवं उपद्रव्य का सामान्य ज्ञान।
2. संक्रामक रोगी के संबंध में सामान्य ज्ञान।
3. निम्न रोगी के बारे मे सामान्य ज्ञान – ज्वर, रक्तपित्त, राजयक्ष्मा, प्रमेह, अतिसार, प्रवाहिका, अजीर्ण, अम्लपित्त, विसूचिका, उदर रोग, उण्डुकपूच्छ शोथ (एपेन्डिसाइटिस), परिणामशूल, यकृत एवं प्लीहा रोग, कामला, पाण्डु, श्वास, कास, छर्दि, वातव्याधि, कुष्ठ, हृदय रोग, शोथ, मूत्रकृच्छ, मूत्राघात, अश्मरी, शीतपित्त, उन्माद एव अपस्मार, अर्श भगन्दर, नेत्राभिष्यन्द, लिंगनाश, मुख, दन्त, कर्ण एवं नासारोग, अर्बुद, व्रण, विद्रधि, भग्न, संधि विश्लेष आदि व्याधियॉ।
4. पंचकर्म – पूर्वक्रम, प्रधानकर्म एवं पश्चात्कर्म का सामान्य परिचय।
5. मातृ एवं शिशु कल्याण, परिवार कल्याण, टीकाकरण कार्यक्रम, मलेरिया, अंधत्व निवारण, राजयक्ष्मा, कुष्ठ एवं एड्स निवारण आदि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का ज्ञान।
6. यंत्र, शस्त्र एवं पट्टबंधन का सामान्य ज्ञान।
7. मुख रोग, नेत्र रोग, नासा रोग, कर्ण रोगो की सामान्य जानकारी एवं चिकित्सा।
8. स्त्रियों एवं बालकों में होने वाले रोगों का सामान्य ज्ञान।
9. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों के बारे में संक्षिप्त सामान्य ज्ञान।
10. आत्ययिक चिकित्सा, आकस्मिक अपघात एवं उसका उपचार, रक्त रोकने के उपाय, अग्निदग्ध, जल में डूबने पर , अस्थि भग्न होने पर, दम घुटने पर, आकस्मात मूर्छित हो जाने पर, आकस्मिक दुर्घटना मे घायल होने पर प्रारंभिक चिकित्सा एवं सहायता की जानकारी।
11. रोगी परिचर्या व परिचर्या के नियम, परिचारक, मुख्य कर्तव्य, रोगी एवं उनके परिचितों से व्यवहार, कर्तव्य एवं शिष्टाचार। रोगी के चिकित्सालय में प्रवेश के समय की जाने वाली औपचारिकता का ज्ञान, वार्ड की सफाई, विभिन्न प्रकार के रोगी शय्याओं का ज्ञान। रोगी का तापमान, रक्तचाप एवं नाड़ी आदि की जानकारी। विशेष प्रकार के संक्रामक रोगों के समय प्रतिरोधात्मक उपाय, गर्भिणी एवं सूतिका परिचर्या का ज्ञान, शय्याव्रण एवं उसकी चिकित्सा, विभिन्न प्रकार की औषधियां को देने की प्रयोग विधि, औषधकाल, अनुपान एवं रोगी की आयु के अनुसार मात्रा का ज्ञान।